



# भारत का दातापत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

मा. 735]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 3, 1989/कार्तिक 12, 1911

No. 735] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 3, 1989/KARTIKA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाले जाती हैं जिससे कि यह छलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

आणिष्य मंत्रालय

आयात आपार नियंत्रण

आदेश सं. 56/1988-91

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1989

का. आ. 911 (ग्र)---आयात तथा नियंत्रण (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 के अन्तर्गत प्रदत्त गतिविधियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार, आणिष्य मंत्रालय की अधिसूचना स. का. आ.---343(ग्र) दिनांक 30 मार्च, 1988 के प्रत्यंत प्रकाशित खुले सामान्य लाइसेंस सं. 15/88, दिनांक 30 मार्च, 1988 में एनदब्ल्यूआर नियन्त्रित संस्थाओं करती हैं अर्थात्---

उक्त खुले सामान्य लाइसेंस में शर्त सं. (4) को हटा दिया जाए।

(2) उक्त खुले सामान्य लाइसेंस संख्या की अनुसूची की कम संख्या 3 और उसके सामने की प्रविष्टियों को हटा दिया जाए।

[फाइल सं. आई. पी. सी./4/पी-134/15/85-98]

टिप्पणी:—मुख्य आदेश 30 मार्च 1988 के का. आ. 343(ग्र)  
के द्वारा प्रकाशित किया गया था।

### MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

ORDER NO. 56/88-91

New Delhi, the 3rd November, 1989

S.O. 911 (E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendments in the Open General Licence No. 15/88 dated the 30th March, 1988, published under the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 343(E) dated the 30th March, 1988, namely :—

In the said Open General Licence,—

(i) Condition number (4) shall be omitted ; and

(ii) In the schedule to the said Open General Licence Serial number 3 and the entries there against shall be omitted.

[F. No. IPC/4/P-184/15/85-88]

NOTE : The principal Order was published vide Number S.O. 343(E) dated the 30th March, 1988.

प्रतिरोध नं. 57/1988-91

का. आ. 912 (ग)---आयात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रवास गतियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार, व्यावसाय मत्ताकाल की अविसूचना वा का. आ. 344 (ग) दिनांक 30 मार्च, 1988 के साथ प्रकाशित 30 मार्च, 1988 के द्वारे सामान्य लाइसेंस न. 18/88 में एडदारा निम्नलिखित संशोधन करती है, अबतः—

उक्त खुले सामान्य लाइसेंस की शर्त सं. (14) के उपरान्त निम्नोक्त शर्तों को शामिल किया जाएगा, अबतः—

"(14क) अनुसूची की मध्य में, 16 में संदर्भित गैंडिक, बैंजानिक और तकनीकी पुस्तकों के मामले में निम्नलिखित व्यक्ति पात्र आयातक होंगे ।

(1) विष्वविद्यालय जिनमें माने गए विष्वविद्यालय और माध्यम प्राप्त जैकिक और अनुसन्धान स्थान या संगठित हैं;

(2) परिस्क, राज्यीय और राज्य पुस्तकालय;

(3) उच्च शिक्षा के संस्थान;

(4) प्रकाशक और पुस्तक विक्रेता जिनकी न्यूनतम आविक बिक्री आय 5 साल व. है;

(5) श्रीखोटिक स्थापनाओं की अनुसन्धान और विकास इकाईयाँ; और

(6) अपने व्यावसायिक प्रयोग हेतु बैंजानिक, डाक्टर, हस्पीतियर विष्वविद्यालय के प्रोफेसर, एडवोकेट, सनदी ऐक्सापाल इत्यादि, जोसे व्यावसायिक बशर्ते कि उनका एक वित्तीय वर्ष में आयात सापत बीमा भाड़ा भूल्य के 10,000/- रु. से अधिक का न हो ।

"(14क) शैक्षिक, बैंजानिक एवं तकनीकी पुस्तकों के मामले में निम्नोक्त शर्तें लागू होंगी—

(क) पुस्तकों के विवेती संस्करण जिनका प्राप्तिकृत भारतीय पुनर्मुद्रण संस्करण उपलब्ध है, का आयात अनुमेय नहीं होगा;

(ख) भारतीय प्रकाशन के विवेती पुनर्मुद्रण के आयात की शिक्षा विषय, भारत सरकार, नई बिल्ली की विशिष्ट पूर्व संविधित अनुमति के बिना अनुमेय नहीं किया जाएगा ।

(ग) भारतीय कोस्टलाइन के केवल ऐसे नौसेक्यालन सम्बन्धी जाटों के आयात को अनुमेय तभी किया जाएगा जबकि उनकी विशिष्टता: निकासी भूमध्य हाइड्रोग्राफर, भारत सरकार, वेहराइन द्वारा की जाएगी ।

(घ) विवेतों में प्रकाशित पुस्तकों के अप्राप्तिकृत पुनर्मुद्रणों के आयात को अनुमेय नहीं किया जाएगा,

(ङ) पूर्णसं: शैक्षिक स्वरूप के टिकाऊ या प्री-रिकार्ड घासियों तथा बीडियो क्लेटों या विडियो डिस्क तथा प्री रिकार्डिंग फ्लोटी डिस्क, जोकि पुस्तक के अधिक अंग है, का आयात किया जा सकता है अशर्ते कि सम्पादन ने प्रकाशित कर दिया है कि रिकार्ड या प्री रिकार्डिंग कैमेट या बीडियो डिस्क या प्री-रिकार्डिंग फ्लोटी डिस्क पुस्तक के अधिक अंग है और सम्बद्ध बीजक में रिकार्ड/प्री रिकार्ड घासियों तथा बीडियो

(च) प्रकाशक तथा पुस्तक विक्रेता वाले की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राप्तिकारियों के बमल बहरहाल दुकान तथा प्रतिष्ठान के पंजीकरण मानवीय सम्बद्ध विविध के प्रत्यर्थी अपने पंजीकरण की मूल कार्यालय (जो इस समय वैष्य है) या ऐसे मूल की फोटो कार्यालय प्रस्तुत वर्गमें या प्रकाशकों या पुस्तक विक्रेताओं के किसी व्यावसायिक संघ को सम्बन्धित का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे । मनवी या नागर नेश्वाकार या कमानी मन्त्रिव, जोकि फर्म का गोप्यादार नहीं है निदेशक या फर्म के किसी कर्मचारी या इसके किसी महानोपी द्वारा पुस्तकों की व्यापिक बिक्री की आय और दस्तावेज हुए दिया गया प्रमाणपत्र सी प्रस्तुत करना भवित्वा होगा,

(छ) शैक्षिक और अनुपश्चान्त विद्यार्थी, उठव गिरा के विद्यार्थी के समय सीमाशुल्क प्राप्तिकारियों के समझ, केन्द्र या राज्य सरकार अथवा विष्वविद्यालय द्वारा, जमा भी मामला हो, उन्हें मान्यता दिए जाने से सम्बन्धी प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा और उन्हें इस आयात की एक घोषणा करनी होगी कि आयातित पुस्तकें उनके स्वयं के इस्तेमाल के लिए हैं । निजी भूमि से वित्त योग्यता प्रनुभवान्धान संस्थानों को जिन्हें केन्द्र या राज्य सरकार से शोपकारिक रूप से मान्यता प्राप्त नहीं है, इस आयात का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा कि उन्हें उनके द्वारा किए जा रहे अध्ययन या अनुसंधान परियोजनाओं के लिए मरकार से प्रनुभवान प्राप्त हुमा है;

(ज) व्यावसायिकों को निकासी के समय सीमाशुल्क प्राप्तिकारियों को संगत व्यावसायिक निकास या संघ की आयनी समस्यता के सम्बन्ध में साक्ष प्रस्तुत करने होंगे । उन्हें वर्ष के दौरान किए गए आयातों का विवरण और इस आयात की घोषणा भी प्रस्तुत करनी होगी कि लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान उनका कुल आयत 10,000/- रु. के सूल्य से अधिक का नहीं हुआ है;

(झ) सीमाशुल्क से निकासी के समय आयातकों को इस आयात की घोषणा देनी होगी कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तकों शामिल नहीं हैं जो आयात नियंत्रित नीति (खण्ड-1) 1988-91 के अनुसार अनुमेय नहीं हैं ।

"(1-ग) शैक्षिक, बैंजानिक और तकनीकी पत्रिकाओं, न्यूज मर्जिन और अखबारों के मामले में खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत सभी व्यक्तियों को उनका आयात करने की अनुमति होगी ।"

2. उक्त खुले सामान्य लाइसेंस की अनुसूची में क्रम सं. 15 के बाद निम्नलिखित क्रम सं. को शामिल किया जाएगा, अबतः—

"16(क) शैक्षिक, बैंजानिक और तकनीकी पुस्तकें (आयात-नियंत्रित) नीति, 1988-91 (खण्ड-1) के परिणाम-8 की सूची-7 में विवरों की विस्तृत सूची दी गई है ।

(ख) शैक्षिक, बैंजानिक और तकनीकी पत्रिकाएँ, न्यूज मर्जिन और अखबार ।"

[काइल सं. आई. पी. नी. 4/पी-134/15/85-88]  
तेजेन्द्र खन्ना, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

टिप्पणी—मुख्य आवेदा 30 मार्च, 1988 के का. आ.

344 (ग) के द्वारा प्रकाशित किया गया था।

Order No. 57/1988—91

S.O. 912(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following amendments in the Or-

ment of India in the Ministry of Commerce No. S.O 344(E), dated the 30th March, 1988, namely :—

1. In the said Open General Licence,—

- (i) after condition number (14), the following conditions shall be inserted; namely :—

"(14A) In the case of educational, scientific and technical books referred to in item number 16 of the Schedule, the persons eligible to import shall be,—

- (i) Universities including deemed Universities and recognised educational and research institutions;
- (ii) Public, National and State Libraries;
- (iii) institution of higher learning;
- (iv) publishers and book sellers, having a minimum annual sales turnover of Rs. 5 lakhs;
- (v) research and development units of industrial establishments; and
- (vi) professionals like scientists, doctors, engineers, University professors, advocates, Chartered accountants etc., for their professional use provided the c.i.f. value of imports by them shall not exceed Rs. 10,000/- in a financial year."

(14B) In the case of import of educational scientific and technical books, the following conditions shall apply :—

- (a) Import of foreign edition of books for which editions of authorised Indian reprints are available, will not be allowed.
- (b) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a specific prior written permission of the Department of Education, Government of India, New Delhi.
- (c) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun.
- (d) Import of unauthorised reprints of books published abroad will not be allowed.
- (e) Import of records or pre-recorded audio and video cassettes or video disks and pre-recorded floppy disks forming an integral part of the book which are of purely educational nature can be made subject to the condition that the supplier has certified that records or pre-recorded cassettes or v

integral part of the book and the connected invoice indicates the details of the records or pre-recorded audio and video cassette; or pre-recorded floppy diskettes or video disks.

(f) Publishers and booksellers shall at the time of clearance of the goods produce to the Customs authorities the original currently valid registration under relevant law relating to registration of shops and establishments for the time being in force or a photo-copy of such original or evidence of membership of one of the professional associations of publishers or booksellers. A certificate from Chartered or Cost Accountant or Company Secretary who is not a partner, a director or an employee of the firm or its associates, indicating the annual sales turnover of books shall also be required to be produced.

(g) Educational and research institutions, Institutions of Higher Learning and public libraries shall produce to the Customs authorities at the time of clearance, evidence of their recognition by Central or State Government or University, as the case may be, and a declaration to the effect that the books imported are for their own use. Privately funded research institutions which do not have formal recognition either by Central or State Government shall be required to produce evidence of having received Government grant for conducting studies or research projects undertaken by them.

(h) Professionals shall produce to the Customs authorities at the time of clearance, evidence of their membership of the relevant professional body or association. They shall also be required to furnish a statement of imports made during the year and a declaration that the total imports do not exceed the value of Rs. 10,000/- during the licensing year.

(i) At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration to the affect that the books imported do not include those which are not allowed as per Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I).

(14C) In the case of educational, scientific and technical journals, news magazines and newspapers, import under Open General Licence shall be permitted by all persons."

(ii)

the following serial number shall be inserted, namely :—

"16(a) Educational, scientific and technical books an illustrative list of subjects is given in **List 7 of Appendix 6** of the Import and Export Policy, 1988-91 (Volume I)

(b) Educational, scientific and technical journals; news magazines and newspapers.”.

[File No. IPC/4/P-134/15/85-88]  
TEJENDRA KHANNA,

Chief Controller of Imports & Exports

NOTE : The Principal Order was published vide Number S.O. 344(E) dated the 30th March, 1988.